[श्री बी० आर० शुक्ल]

सी पी आई के माननीय सदस्य श्री इन्द्रजीत गुप्त ने बताया कि उस समय देश में विरोधी शक्तियां पार्लियामेंट्री पद्धति को हटा कर

एक माननीय सदस्य : विरोधी नहीं, फासिस्ट शक्तियां ।

श्री बी० आर० शुक्ल : फासिस्ट शक्तियां, जनतंत्र में विश्वास न रखने वाली शक्तियां, नियम कानून और संविधान के विरुद्ध सड़कों पर जा कर इस तरह का विरोध करना चाहती थी कि जिस से जनतंत्र को खतरा पैदा हो जाय । यहां पर इस समय मैं आप का ध्यान दिलाना चाहता हूं कि जब नवनिर्माण समिति ने अपना आन्दोलन गुजरात प्रदेश में प्रारम्भ किया और वहां से निर्वाचित विधयकों को गधे पर चढ़ा कर उन के मुंह में स्यासी लगा कर के गलियों में घुमाना शुरू किया तो उस समय मोरार जी भाई देसाई या उनकी तरह के और लोगों में से किसी ने ऐसी हरकतों की कोई मजम्मत नहीं की और न कोई विरोध का वक्तव्य दिया कि ऐसी हरकत नहीं होनी चाहिए ?

सभापति महोदय माननीय शुक्ला जी, आप अब कल अपना भाषण जारी रखें ।

17.56 hrs.

BUSINESS ADVISORY COMMITTEE.

FIFTYSEVENTH REPORT

THE MINISTER OF WORKS AND HOUSING AND PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI K. RAGHU RAMAIAH): Sir, I beg to present the Fifty seventh Report of the Business Advisory Committee.

I would like to add that as matters stand, 14th January has been listed as a public holiday because of Mohurram. Some Muslim friends have pointed out that Mohurram really falls on the 13th. So, this matter was discussed in the Business Advisory Committee and they have agreed that we should have a holiday on the 13th also in addition to 14th. The hon. Speaker has also agreed to this. So, we shall have a holiday on the 13th also in addition to 14th.

17.58 hrs.

The Lok Sabha then adjourned till Eleven of the Clock on January 7, 1976/Pausa 17, 1897 (Saka).

MGIPND—L—1813 LS—28-1-76—978.